Daily Insider Desk
• Tue, 1 Nov 2022 12:01 am IST

यूपी के 17 से अधिक शहरों की हवा जहरीली

बुजुर्गों-बच्चों को सावधान रहने की जरूरत : डा भरत राज सिंह

लखनऊ। दीपावली के बाद से प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत 17 से अधिक बड़े शहरों में वायु प्रदूषण काफी बढ़ गया है। इससे बुजुर्गों व बच्चों के अलावा अन्य काम-काजी लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। ये कहना है राजधानी के वरिष्ठ पर्यावरणविद और स्कूल आफ मैंनेजमेंट साइंसेज लखनऊ के महानिदेशक डा. भरत राज सिंह का। उनका कहना है कि इस समय प्रदूषण की स्थित अति खराब स्थित से गुजर रही है। यदि वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़ों पर गौर करें तो हालात काफी खराब हैं।

पिछले दो-तीन दिनों से वतावरण में धुंध है और लोगों को सांस लेने में काफी दिक्कत महसूस हो रही है। इतना ही नहीं, यदि ऐसी स्थिति एक सप्ताह रही तो अधिकांश लोगों को बहुत सी गम्भीर बीमारियों जैसे दिल के दौरे व गम्भीर लंग के रोग, अस्थमा, सीओपीडी व अन्य सांस लेने वाली परेशानी आदि से गुजरना पड सकता है ।

नोएडा-गाजियाबाद में प्रदूषण 400 के करीब

विगत दो-दिनों की सुबह यूपी की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में एक्यूआई 257 – 262 दर्ज किया गया। जबकि कुकरैल पिकनिक स्पॉट पर 195 -200 दर्ज किया गया। उत्तरप्रदेश के अन्य शहरों नोएडा (सेक्टर 116)- 350 (गम्भीर), लखनऊ (लालबाग)- 250, ग्रेटर नोएडा (नॉलेज पार्क-)- 300, गाजियाबाद (लोनी)- 371 कानपुर (किदवई नगर)- 243 मेरठ (गंगा नगर)- 249 वाराणसी (मलदहिया)- 181 प्रयागराज (नगर निगम)- 165 मुजफ्फरनगर (न्यू मंडी)- 227 मुरादाबाद (बुद्धि विहार)- 218 झांसी (शिवाजी नगर)- 249 फिरोजाबाद (विभव नगर)- 232 बागपत- 207 दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) समय – समय पर नगर पालिका व अन्य संस्थाओं को बढ़ते हुये वायु प्रदूषण के स्तर में कमी लाने के लिए मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करते हैं।

आज वायु प्रदूषण के लिहाज से प्रदेश के 17-शहरो जैसे: लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, अनपरा, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, गजरौला, खुर्जा, बरेली, मुरादाबाद, झांसी, फिरोजाबाद, रायबरेली और गोरखपुर अति संवेदनशील बने हैं।

वायु प्रदूषण पैदा करने वाले 20 शहर में दिल्ली

डा. सिह कहते हैं कि वैसे तो 2022 के आंकड़ों के अनुसार विश्व में अधिकतम वायु प्रदूषण पैदा करने वाले 20 शहरों में भारत के दिल्ली - प्रथम और कोलकत्ता - द्वितीय स्थान पर हैं। परन्तु दीवाली के समय पराली व क्रेकर्स के द्वारा ही इस पर बढोत्तरी का ठीकरा फोड़ दिया जाता है। उनका सुझाव है कि इस पर गहन अध्ययन की आवश्यकता है।

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए डा. सिंह के सुझाव

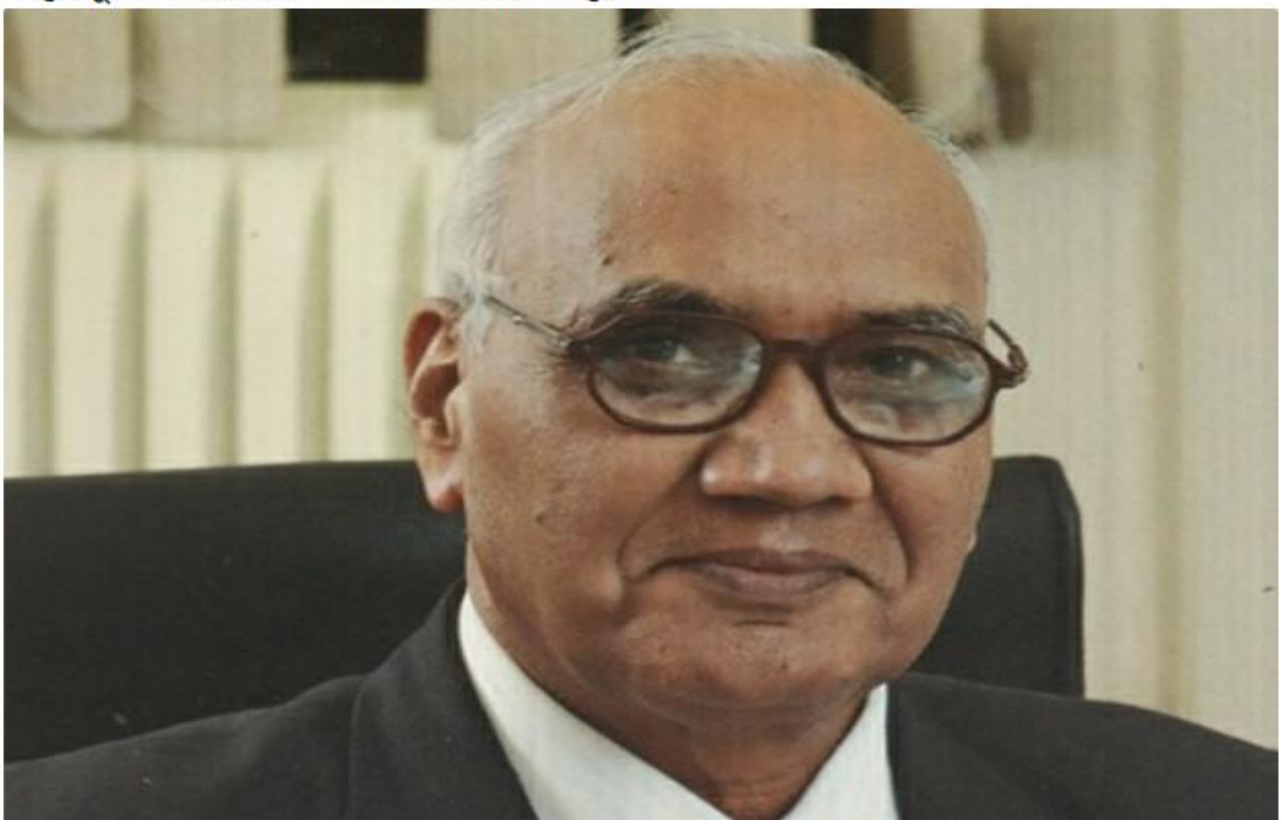

- नगर पालिका / निकायों के स्वीपर अथवा मशीन के माध्यम से सड़कों की नियमित सफाई कराना।
- नगर पालिका / निकायों के माध्यम से पानी टैंकरों द्वारा सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव कराना।
- नगर-वासियों को स्वयं कालोनी में घरों व उसके आस-पास पानी का छिड़काव करना।
- बड़े शहरों में एंटी स्मॉग गन का भी प्रयोग सुनिश्चित किया जाना।
- निर्माण एवं भवन तोड़ने के काम जाड़े में रोकना।

-आरएल पाण्डेय की रिपोर्ट

https://dailyinsider.in/view/news/UdAvdct6dxlV0rSRVoCV/1